महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय

Maharshi Panini Sanskrit Evam Vedic Vishwavidyalaya

देवासमार्ग, उज्जैन, (मध्यप्रदेश). 456010

Website:- www.mpsvv.ac.in

Best practice- 1

Title of the Practice – ज्ञानपरम्परायाः पुनर्जागरणम्

1) प्रबुद्धजनसम्बाद

Meeting with Swami Nischalanand Saraswati (Govardhan peeth, puri shankrachar) for the upliftment of Sanskrit

Meeting with Jagatguru Padmavibhushan Swami Ramanandacharya, Chitrakoot

REGISTRAR
MAHARSHI PANINI SANSKRIT EVAM VEDIC VISHWAVIDYALAYA
UJJAIN (M.P.)

Our Vice Chancellor With Pandit Anandashankar Vyas Ji

REGISTRAR
MAHARSHI PANINI SANSKRIT EVAM VEDIC VISHWAVIDYALAYA
UJJAIN (M.P.)

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय

Maharshi Panini Sanskrit Evam Vedic Vishwavidyalaya

देवासमार्ग, उज्जैन, (मध्यप्रदेश). 456010

Website:- www.mpsvv.ac.in

Our Vice Chancellor Sir With Dr. Ramprasad Malakar Guruji

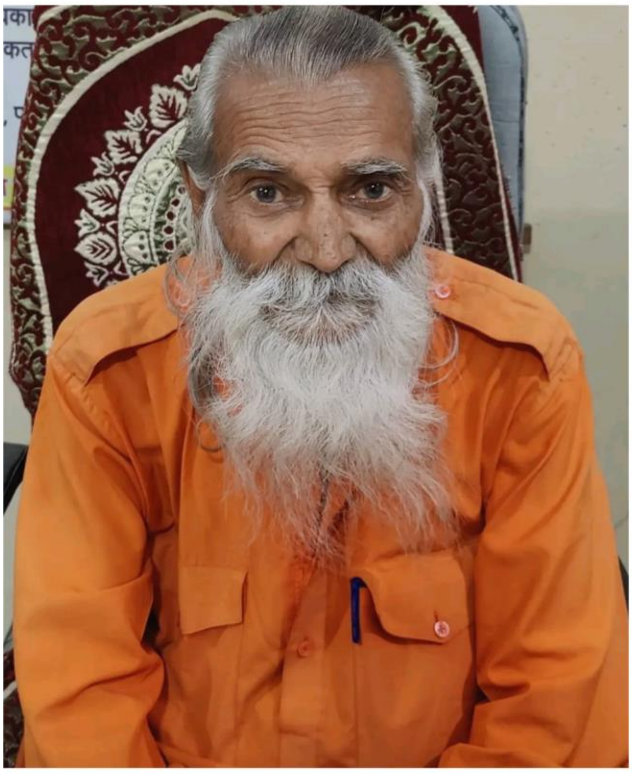

REGISTRAR
MAHARSHI PANINI SANSKRIT EVAM VEDIC VISHWAVIDYALAYA
UJJAIN (M.P.)

Our Vice Chancellor Sir With Dr. Mohan Gupta Ji

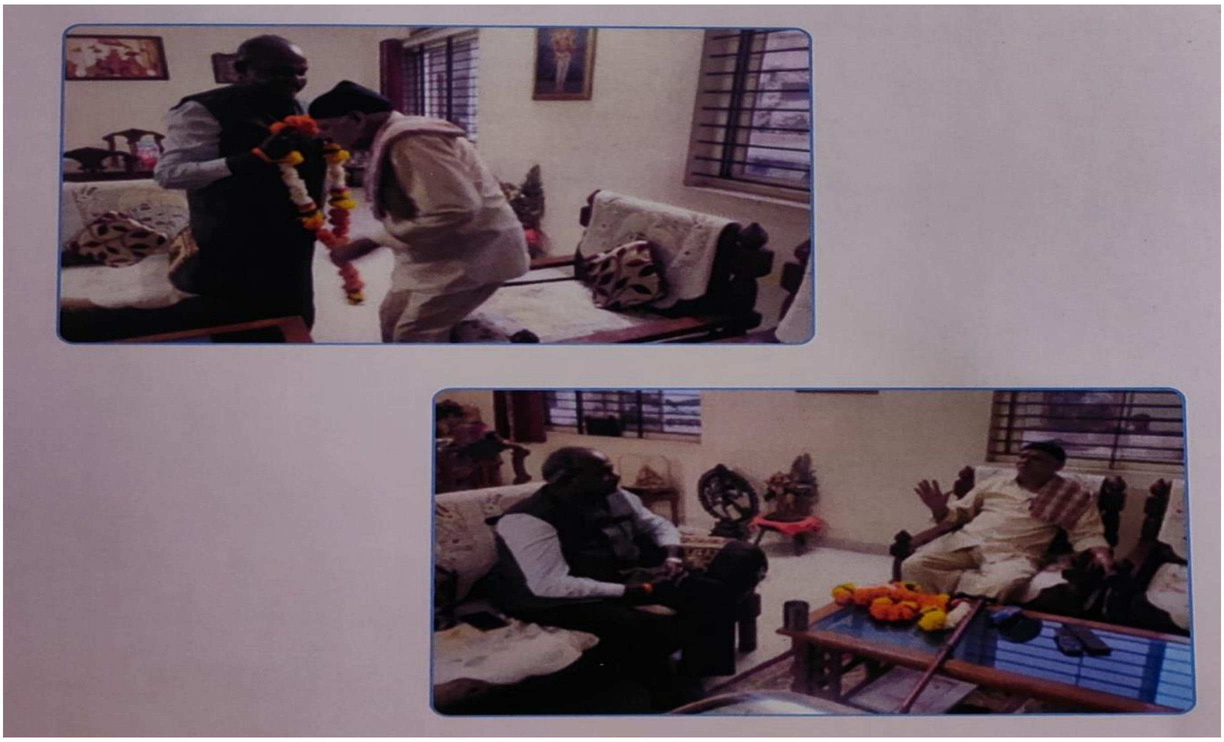

पूर्व विभागाध्यक्ष, हिन्दी अध्ययनशाला विक्रम विश्वविद्यालय
डॉ. हरिमोहनजी बुधोलिया से भेंट।

REGISTRAR
MAHARSHI PANINI SANSKRIT EVAM VEDIC VISHWAVIDYALAYA
UJJAIN (M.P.)

॥संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति की अनोखी पहल॥

प्रतिवेदन

उज्जैन के विद्वद वर्ग से सम्पर्क कर विश्वविद्यालय के विषय में करेंगे सार्थक चर्चा। सम्पर्क के आरम्भ में पं. आनंदशंकर व्यास जी से की भेंट वार्ता

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय उज्जैन के कुलपति प्रो विजय कुमार सीजी द्वारा प्रबुद्ध विद्वानों से संपर्क कार्यक्रम प्रारंभ किया है, जिसमें वह शहर के गणमान्य प्रबुद्ध जनों के साथ भेंटवार्ता करेंगे और विश्वविद्यालय की उन्नति के लिए एवं विश्वविद्यालय को स्थानीय गणमान्यों से जोड़ने के लिए यह कार्यक्रम किया जाएगा। जिसका प्रारंभ माननीय कुलपति जी ने माननीय पंडित आनंद शंकर व्यास जी के साथ भेंट वार्ता कर किया। विश्वविद्यालय के हित को ध्यान रखते हुए कुलपति जी ने सहयोग देने के लिए अनुरोध किया साथ ही पंडित आनंद शंकर व्यास जी ने कहा कि जैसे की उज्जैन नगरी प्राचीन समय से ही शिक्षास्थली के नाम से विख्यात रही भगवान कृष्ण की शिक्षास्थली रही तो ऐसे महान स्थल पर आपका कुलपति रूप में कर्तव्य और बढ़ जाता है। पंडित जी ने अनुरोध किया कि विश्वविद्यालय में भी एक सांदीपनि पीठ होना चाहिए। कुलपति जी ने उनके अनुरोध को मान्य किया एवं आश्वासन दिया कि भविष्य में इस योजना को मूर्त रूप दिया जाएगा।

इस श्रृंखला की अगली कड़ी में दिनांक 14 जून 2022 को योग के प्रति समर्पित डॉ रामप्रसाद मालाकार गुरुजी के साथ माननीय कुलपति महोदय प्रोफेसर विजय कुमार सीजी की सौजन्य भेंट हुई। डॉक्टर राम प्रसाद मालाकार गुरुजी काफी वर्षों से रामघाट के सामने कालिदास उद्यान में सुबह 5:00 बजे से निशुल्क योग प्रशिक्षण प्रदान करते हैं। अपने 60 दशक से ज्यादा पूर्ण कर चुके मालाकार गुरुजी साईकिल से ही भ्रमण करते हैं। इस उम्र में भी उनके चेहरे का तेज और सौम्यता उन्हें और प्रखर बनाती है। वर्तमान युग में ऐसी महनीय व्यक्तियों से युवा पीढ़ी को शिक्षा लेनी चाहिए।

कुलपति महोदय ने कहा कि प्रबुद्ध विद्वानों के साथ जनसंपर्क का यह अवसर अमूल्य है। इसी प्रकार निरंतर गणमान्य प्रबुद्ध जनों के साथ भेंटवार्ता कर विश्वविद्यालयों को नए आयाम प्रदान करने के लिए आगे सतत क्रियाशील रहना है। विश्वविद्यालय परिवार ने कुलपतिजी की पहल के लिए उनका अभिनन्दन किया तथा शुभकामनाएँ प्रदान कीं।

REGISTRAR
MAHARSHI PANINI SANSKRIT EVAM VEDIC VISHWAVIDYALAYA
UJJAIN (M.P.)

2) विश्वविद्यालय द्वारा सञ्चाल्यमान कार्यक्रम

REGISTRAR
MAHARSHI PANINI SANSKRIT EVAM VEDIC VISHWAVIDYALAYA
UJJAIN (M.P.)

संस्कृत शिक्षकों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण

उज्जैन. जिले के संस्कृत शिक्षकों के लिए महर्षि पाणिनि विश्वविद्यालय में तीन दिन का प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। मंगलवार 14 दिसंबर को पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विवि के संस्कृत शिक्षण प्रशिक्षण ज्ञान विज्ञान संवर्धन केंद्र एवं जिलाशिक्षाधिकारी कार्यालय के संयुक्ततत्वावधान में संस्कृत शिक्षक प्रशिक्षण वर्ग का आयोजन किया गया। जानकारी देते हुए केंद्र के निदेशक डॉ. मनमोहन उपाध्याय ने बताया की यह वर्ग मध्यप्रदेश के संस्कृत शिक्षकों के लिए चलाया जा रहा है। इसमें संस्कृत पाठ्यक्रमों को धरातल पर सुदृढ़ करने के लिए शिक्षकों को तीन दिन तक प्रशिक्षित किया जाएगा। अध्यक्षता कर रहे कुलपति प्रो. विजयकुमार ने कहा कि इस तरह के वर्गों का आयोजन विश्वविद्यालय के लिए एक गर्व का विषय है। कार्यक्रम में नगर निगम के आयुक्त अंशुल गुप्ता मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित रहे। संचालन डॉ दिनेश चौबे ने एवं विवि के कुलसचिव डॉ. दिलीप सोनी ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

श्रीकृष्ण के हृदय के उद्गार गीता

उज्जैन. महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यलय में गीता जयंती के उपलक्ष्य में कार्यक्रम का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में शासकीय माधव महाविद्यालय की प्रो. शोभा मिश्रा ने अपने उद्बोधन में कहा कि श्रीकृष्ण के नाम में ही आकर्षण है, उनके हृदय के उद्गार गीता है। भारतवर्ष के महान लोगों का आदर्श गीता ही रही है। इसलिए इसे कलियुग की आत्मा कहना भी गलत नहीं है। विवि के कुलपति प्रो. विजय कुमार ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। संस्कृत

शिक्षण प्रशिक्षण ज्ञान विज्ञान संवर्धन केंद्र के निदेशक डॉ. मनमोहन उपाध्याय, साहित्य विभाग के अध्यक्ष डॉ. तुलसीदास परौहा, डॉ. संकल्प मिश्र आदि उपस्थित रहे। संचालन डॉ. शैलेन्द्र पाण्डेय एवं धन्यवाद

REGISTRAR
MAHARSHI PANINI SANSKRIT EVAM VEDIC VISHWAVIDYALAYA
UJJAIN (M.P.)

संस्कृत संभाषण शिविर का समापन

उज्जैन. महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय के संस्कृत शिक्षण प्रशिक्षण ज्ञान विज्ञान संवर्धन केंद्र तथा महर्षि सांदीपनि राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान से संबद्ध सौर्य मंडल वेद विद्यालय, ग्राम गोठड़ा के संयुक्त तत्वावधान में 3 जनवरी से आयोजित दस दिवसीय संस्कृत संभाषण शिविर का समापन 13 जनवरी को हुआ। वैदिक मंगलाचरण तथा सरस्वती पूजन के उपरांत छात्रों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां प्रस्तुत की।

प्राचार्य तथा संचालक ने अतिथियों का स्वागत किया। अध्यक्षता पाणिनी संस्कृतविश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. विजय कुमार मैनन ने की। संस्कृत भाषा पुराकाल में जनवाणी थी, जिसे पुनः जनवाणी बनाने हेतु विश्वविद्यालय द्वारा अनेक प्रकल्प संचालित किए जा रहे हैं। इस अवसर पर उन्होंने छात्रों को संस्कृत संभाषण हेतु प्रेरित किया तथा उन्हें शुभकामनाएं दी। मुख्य अतिथि के रूप में संस्कृत विश्वविद्यालय के संस्कृत संवर्धन केंद्र के निदेशक डॉ. मनमोहन उपाध्याय उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रुप में चंद्रहास दुबे (अवकाश प्राप्त आईएएस अधिकारी) भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर संस्कृत विश्वविद्यालय के वेद एवं व्याकरण विभाग अध्यक्ष डॉ. अखिलेश द्विवेदी एवं योग विभाग अध्यक्ष डॉ. उपे

REGISTRAR
MAHARSHI PANINI SANSKRIT EVAM VEDIC VISHWAVIDYALAYA
UJJAIN (M.P.)

एक माह तक संस्कृत संभाषण सीखेंगे चारधाम आश्रम के छात्र

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

उज्जैन. चारधाम आश्रम में संस्कृत संभाषण शिविर का सोमवार को शुभारंभ हुआ। महर्षि पाणिनि संस्कृत विश्वविद्यालय के संस्कृत शिक्षण प्रशिक्षण ज्ञान विज्ञान संवर्धन केंद्र तथा महर्षि सांदीपनि से संबद्ध अखंडाश्रम वेद विद्यालय चारधाम मंदिर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता महामंडलेश्वर स्वामी शांतिस्वरूपानंद ने की। इस मौके पर वह बोले, संस्कृत संभाषण शिविर के आयोजन से वेद विद्यालय के छात्र संस्कृत में संभाषण करने एवं संस्कृत के प्रचार प्रसार में मुख्य भूमिका निभाएंगे।

मुख्य अतिथि के रूप में पाणिनि विश्वविद्यालय के प्रो. विजय कुमार सीजी ने कहा कि संस्कृत भाषा पुराकाल में जनवाणी थी। इसे पुनः जनवाणी बनाने के लिए विश्वविद्यालय कई प्रकल्प संचालित कर रहा है। उन्हीं में से एक संस्कृत संभाषण का यह अभियान बड़े स्तर पर विश्वविद्यालय में संचालित हो रहा है। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में संस्कृत शिक्षण प्रशिक्षण ज्ञान-विज्ञान संवर्धन केंद्र निदेशक डॉ. मनमोहन उपाध्याय उपस्थित रहे। उन्होंने छात्रों को संस्कृत में संभाषण करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर वेदविद्यालय के प्राचार्य, आचार्यगण एवं छात्र उपस्थित रहे। संचालन विश्वविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. दिनेश चौबे ने किया। चौबे संस्कृत संभाषण शिविर में मुख्य प्रशिक्षक के रूप में उपस्थित रहेंगे।

उज्जैन के जनसामान्य सीखेंगे नि:शुल्क संस्कृत सम्भाषण

1 जुलाई से शुरू होगा सांध्य कालीन कक्षाओं का संचालन

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

उज्जैन. महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय के संस्कृत शिक्षण प्रशिक्षण ज्ञान विज्ञान संवर्धन केंद्र की ओर से संस्कृत के प्रचार-प्रसार एवं धार्मिक-सांस्कृतिक नगरी में संस्कृत के महत्व एवं उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए जनसामान्य को संस्कृत सिखाने के लिए सायंकालीन कक्षाओं का संचालन किया जा रहा है। कक्षाओं का संचालन विक्रमादित्य शोधपीठ देवास मार्ग में प्रतिदिन शाम 6 बजे किया जाएगा। केन्द्र के निदेशक डॉ. मनमोहन उपाध्याय ने बताया विश्वविद्यालय के संस्कृत शिक्षण प्रशिक्षण एवं ज्ञान विज्ञान संवर्धन केन्द्र द्वारा 6 माह का संस्कृत संभाषण पाठ्यक्रम शुरू किया जाएगा। इसमें किसी भी जाति, उम्र,वर्ग के व्यक्ति 500 रु. पंजीयन शुल्क जमा करवाकर इन कक्षाओं में भाग ले सकेंगे तथा संस्कृत लिखना तथा बोलना सीख सकेंगे। उन्होंने बताया कि यह प्रशिक्षण कक्षाएं 01 जुलाई से संचालित की जाएंगी। इसमें महिला, पुरुष, व्यापारी, छात्र, कर्मचारी जो भी संस्कृत सीखना चाहते हैं वे पंजीयन करवाकर संस्कृत सीख सकते है। छह माह के उपरान्त पंजीकृत लोगों को प्रमाण पत्र भ प्रदान किए जाएंगे।

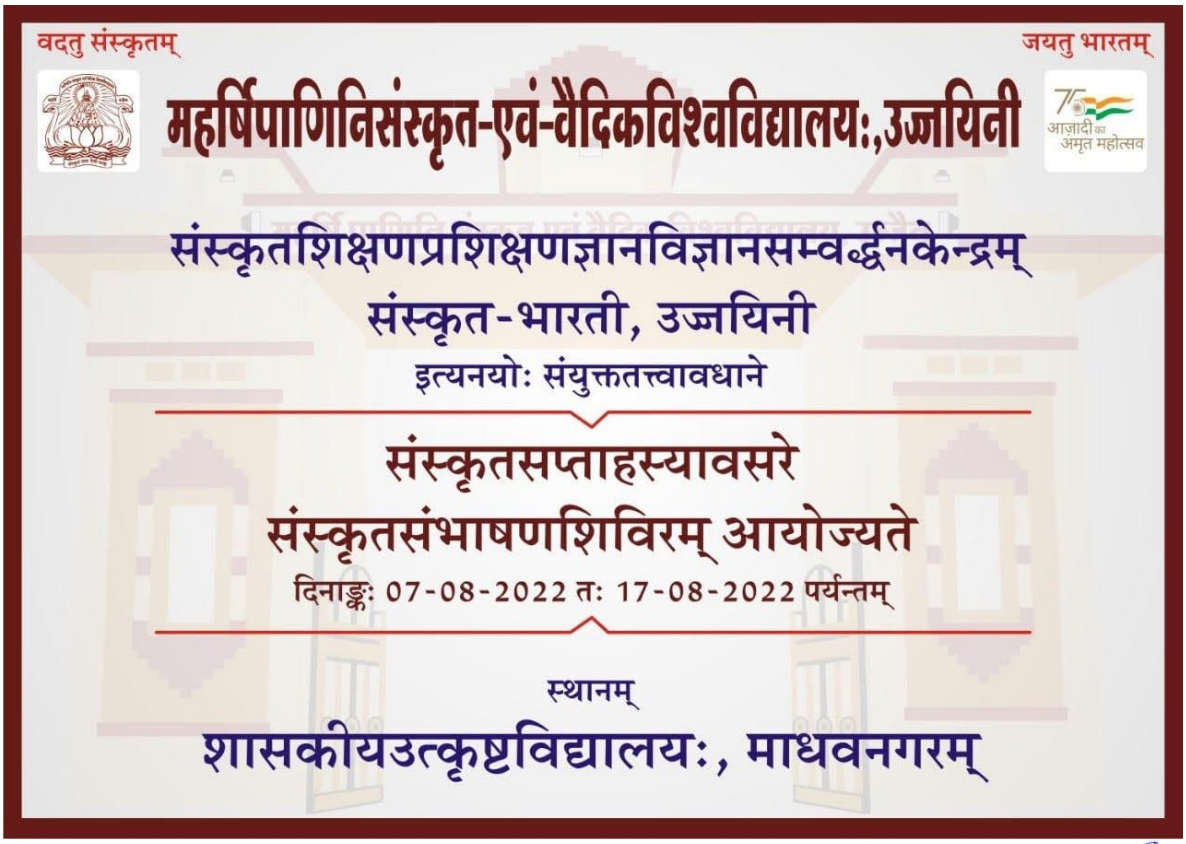

सप्त दिवसीय शारदा लिपि प्रशिक्षण कार्यशाला का शुभारंभ

उज्जैन ● स्वदेश समाचार
महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय उज्जैन के संस्कृत शिक्षण–प्रशिक्षण, ज्ञान–विज्ञान संवर्धन केंद्र तथा एमआईईएफ के संयुक्त तत्वावधान में शारदा लिपि प्रशिक्षण कार्यशाला का शुभारंभ किया गया। कार्यशाला 25 से 31 अक्टूबर तक आयोजित की जाएगी। उद्घाटन सत्र में कार्यक्रम का प्रास्ताविक केन्द्र के निदेशक डॉ. मनमोहन उपाध्याय, अतिथि परिचय ज्वाहर लाल नेहरू विवि के वैदिक संस्कृ त अध्ययन के संकायाध्यक्ष प्रो. गिरीश नाथ झा तथा कार्यशाला विवरण के एमआईईएफ निदेशक डॉ. उदय काकरु द्वारा प्रस्तुत किया गया।

कार्यक्रम के अध्यक्ष विवि के मान. कुलपति प्रो. विजय कुमार सी ने कहा कि, ये एक नवीन प्रकल्प है। जिसमें भाग लेने वाले समस्त प्रतिभागी लिपि का प्रशिक्षण प्राप्त कर नवानुसंधान में योगदान प्रदान कर सकता है। उन्होंने कहा कि, लिपि का ज्ञान रखने वाले विद्वानों के साथ मिलकर विवि शारदा लिपि के ग्रंथों का प्रकाशन करने के लिए तत्पर है। उन्होंने कार्यशाला के आयोजन हेतु केन्द्र तथा भाग ले रहे छात्रों एवं अध्यापकों को शुभकामनाएं प्रदान की। कार्यशाला में लगभग 50 प्रतिभागी जुड़े। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के ज्योतिष एवं ज्योतिर्विज्ञान के अध्यापकगण डॉ. उपेन्द्र भार्गव, डॉ. शुभम शर्मा, वेद व्याकरण विभाग के आचार्य डॉ. संकल्प मिश्र तथा अन्य आचार्यगण एवं छात्रों ने भाग लिया। कार्यशाला का संचालन साहित्य एवं दर्शन विभाग के अध्यक्ष डॉ. तुलसीदास परौहा एवं धन्यवाद ज्ञापन एच. एल. बांगरू ने किया।

REGISTRAR
MAHARSHI PANINI SANSKRIT EVAM VEDIC VISHWAVIDYALAYA
UJJAIN (M.P.)

3) गुरुकुलसम्प्रदाय में शिक्षण परिचय

उज्जैन नगरी प्राचीन समय से ही शिक्षास्थली के नाम से विख्यात रही भगवान कृष्ण की शिक्षास्थली रही तो ऐसे महान स्थल पर संस्कृत विश्वविद्यालय का दायित्व और भी बढ़ जाता है इसीलिए महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय उज्जैन यूजीसी के सम्बद्धता का पालन करने के साथ ही प्राच्यभारती गुरुकुल शिक्षण पद्धित्यो का भी संरक्षण एवं संवर्धन की दिशा में प्रयत्नशील है|

विश्वविद्यालय में न्याय विभाग के अतिथि प्राध्यापक डॉ संदीप शर्मा अध्यापन में गुरुकुल पद्धति का आश्रय ग्रहण करते है इस क्रम में वे अपने विद्यार्थी के साथ विश्वविद्यालय के मुक्ताकाश परिसर में प्रकृति के अंक में (वृक्षों की छाया में) पाठ्यक्रम बोध के साथ ही छात्रों के मन में पर्यावरण के प्रति सहज अनुराग भी उत्पन्न करते है, विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति एवं विभागाध्यक्ष के द्वारा इस विशिष्ट पद्धिति के महत प्रदर्शन को सहमती/स्वीकृती एवं प्रोत्साहन प्राप्त है|

REGISTRAR
MAHARSHI PANINI SANSKRIT EVAM VEDIC VISHWAVIDYALAYA
UJJAIN (M.P.)

गुरुकुलपद्धति से न्यायवर्ग

REGISTRAR
MAHARSHI PANINI SANSKRIT EVAM VEDIC VISHWAVIDYALAYA
UJJAIN (M.P.)

सस्वर वेदपाठ

REGISTRAR
MAHARSHI PANINI SANSKRIT EVAM VEDIC VISHWAVIDYALAYA
UJJAIN (M.P.)

4) शास्त्रार्थसभा

उज्जैन पूर्व से ही शास्त्रार्थ की भूमि रही है -प्रो. द्विवेदी

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विवि ने करवाई शास्त्रार्थ सभा

भास्कर संवाददाता | उज्जैन

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय के वेद एवं व्याकरण विभाग द्वारा शास्त्रार्थ सभा का आयोजन ऑनलाइन किया गया। अध्यक्षता कर रहे लालबहादुर शास्त्री व राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के व्याकरण विभाग के आचार्य प्रो. रामसलाही द्विवेदी ने कहा कि यह आयोजन प्रत्येक संस्कृत विश्वविद्यालयों के लिए अनुकरणीय सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि उज्जैन पूर्व से ही शास्त्रार्थ की भूमि रही है और आयोजन से उसकी प्रासंगिकता और भी बढ़ गई है। कार्यक्रम में मार्गदर्शक के रूप में उपस्थित विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. विजयकुमार सी.जी. ने कहा कि शास्त्रार्थ संस्कृत विधा का एक उत्कृष्ट सोपान है। आयोजन करने का उद्देश्य कई आयामों में है। सभा के आयोजन से शास्त्र संरक्षण, संवर्धन एवं संस्कृत के विकास के साथ छात्रों को शास्त्रार्थ विधि के प्रति आकृष्ट करना भी है।

राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय तिरुपति के व्याकरण विभाग के आचार्य डॉ. शिवराम भट्ट ने प्रत्ययस्थादिति सूत्र विचारः विषय पर शास्त्रार्थ विवेचन किया। उन्होंने नागेश भट्ट को आधार मानकर अपना सूत्र अर्थ विषय पर शास्त्रार्थ मत प्रस्तुत किया तथा कवि कुलगुरु कालिदास संस्कृत विश्वविद्यालय रामटेक के सहायक आचार्य श्रीकार्तिक भागवत तद्धित प्रत्ययों पर भाष्य कार तथा नागेश भट्ट को आधार मानकर अपना शास्त्रार्थ प्रस्तुत किया। छात्रा सिमरन रवींद्र ठाकुर ने भी उत्कृष्ट भाषण शैली के साथ शास्त्रार्थ में अपना विषय रखा।

विद्वानों का स्वागत

इसी क्रम में जगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय ओडिशा की सहायक आचार्य डॉ. प्रज्ञा शर्मा ने रत्नाकर तथा नागेश भट्ट का मत प्रस्तुत करते हुए शास्त्रार्थ सभा में भाग लिया। उनके शास्त्रार्थ का मुख्य विषय पूर्वत्रासिद्धम् सूत्र की व्याख्या पर रहा। शास्त्रार्थ में विद्वतजन, विदुषियों, सभाध्यक्षों एवं अन्य अतिथियों का स्वागत वाचिक रूप से वेद एवं व्याकरण विभाग के अध्यक्ष डॉ. अखिलेशकुमार द्विवेदी ने किया। कार्यक्रम में संस्कृत शिक्षण प्रशिक्षण ज्ञान विज्ञान संवर्धन केंद्र के निदेशक डॉ. मनमोहन उपाध्याय, संस्कृत साहित्य विभाग के अध्यक्ष डॉ. तुलसीदास परौहा, योग विभाग के अध्यक्ष डॉ. उपेंद्र भार्गव, ज्योतिष एवं ज्योतिर्विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. शुभम् शर्मा अन्य आचार्यगण एवं छात्र उपस्थित रहे।

REGISTRAR
MAHARSHI PANINI SANSKRIT EVAM VEDIC VISHWAVIDYALAYA
UJJAIN (M.P.)

युवमहोत्सवे शास्त्रार्थ करते हुए छात्रवृन्द

REGISTRAR
MAHARSHI PANINI SANSKRIT EVAM VEDIC VISHWAVIDYALAYA
UJJAIN (M.P.)

प्रतिवेदन

दिनांक 19 जून 2022 को महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यलय में संस्कृत शिक्षण प्रशिक्षण एवं ज्ञान विज्ञान केंद्र के द्वारा शास्तार्थ सभा का आयोजन किया गया। वर्ग का संचालन संस्कृत शिक्षण प्रशिक्षण ज्ञान विज्ञान सम्वर्धन केन्द्र द्वारा किया गया। केन्द्र के निदेशक डॉ मनमोहन उपाध्याय ने कहा कि इस सभा में उज्जैन जिले के लगभग 80 छात्र उपस्थित रहे। इस सभा में शिक्षकों को व्याकरण एवं अन्य शास्त्रों के शास्त्रार्थ परंपरा के नियमों से अवगत करवाते हुए उन्हें प्रशिक्षित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. विजयकुमार सी जी ने कहा कि संस्कृत छात्रों का दायित्व है कि समाज एवं विद्यालय में संस्कृतमय वातावरण स्थापित करें। शास्त्र संरक्षण एवं वर्धन करना आज के समय मे संस्कृत क्षेत्र की मुख्य आवश्यकता है। मुख्यातिथि के रूप में राजारामशुक्ल जी उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि आज के समय मे भाषा को सुदृढ़ बनाना अनिवार्य है। संस्कृत को मुख्य धारा में लाना आवश्यक है। मात्र परीक्षा में पास होना संस्कृत की सार्थकता नहीं। संस्कृत से संस्कारित होना मुख्य ध्येय है और इसमें पारंगत होने के लिए शास्तार्थ सभा कार्यक्रमों का आयोजन नितांत प्रसंगिक है, कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ दिलीप सोनी, डॉ मनोज द्विवेदी, डॉ संकल्प मिश्र अन्य अध्यापक गण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन संस्कृत शिक्षक श्री अमित शर्मा एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ दिनेश चौबे ने किया।

REGISTRAR
MAHARSHI PANINI SANSKRIT EVAM VEDIC VISHWAVIDYALAYA
UJJAIN (M.P.)

5) सांस्कृतिक भ्रमण

ठाकुरपर्वतसिंहसंग्रहालय,अश्विनीशोधसंस्थान

REGISTRAR
MAHARSHI PANINI SANSKRIT EVAM VEDIC VISHWAVIDYALAYA
UJJAIN (M.P.)

जनार्दनमन्दिर

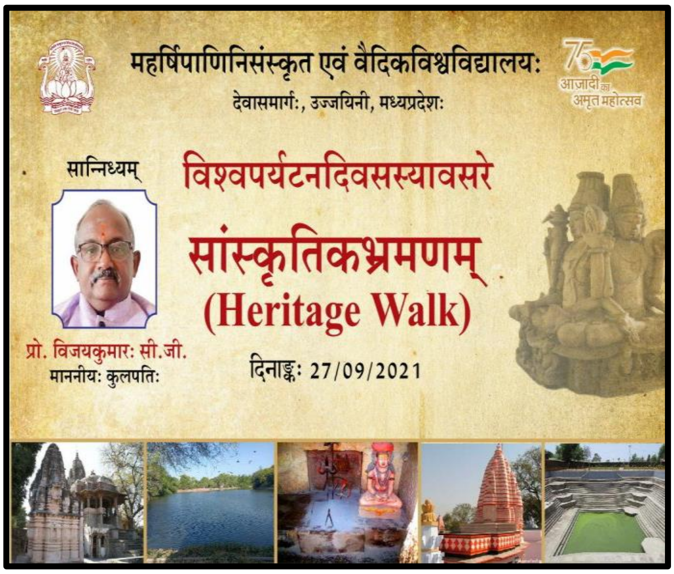

माननीय कुलपतिजी का उद्बोधन

विष्णुचतुष्टिकामन्दिर

REGISTRAR
MAHARSHI PANINI SANSKRIT EVAM VEDIC VISHWAVIDYALAYA
UJJAIN (M.P.)

प्रतिवेदन

सांस्कृतिकस्थलानाम् अध्ययनेन एव संस्कृतिज्ञानं सम्भवति इति धिया विश्वपर्यटनदिने विश्वविद्यालयदलेन सांस्कृतिकभ्रमणं कृतम्।

विश्वपर्यटनदिवसस्य अवसरे महर्षिपाणिनिसंस्कृतवैदिकविश्वविद्यालयेन सांस्कृतिकभ्रमणस्य (Heritage Walk) आयोजनं कृतम्। विश्वविद्यालयस्य कुलपतिः प्रो. विजयकुमार सी.जी.महोदयः अस्य भ्रमणस्य सान्निध्यं कृतम् । कुलपतिः विश्वविद्यालयस्य शिक्षकैः छात्रैः सह विष्णुचतुष्टिका, रामजनार्दनदेवालयः इत्यादिषु सांस्कृतिकस्थलेषु भ्रमणं कृतवान्। भ्रमणकाले कुलपतिः छात्रान् सम्बोधयन् उक्तवान् यत् पुस्तकेषु वयं केवलं वर्णमालाशिक्षा प्राप्तुं शक्यते किन्तु वास्तविकसंस्कृतेः ज्ञानं समाजे सांस्कृतिकस्थानानाम् अध्ययनेन एव सम्भवति। सः अवदत् यत् एतादृशाः स्थानानि अस्माकं संस्कृतिसूचकाः सन्ति, तेषां संरक्षणं, तत् ज्ञानं च अग्रे अपि प्रसारयितुं अस्माकं सर्वेषां दायित्वम् अस्ति। छात्रान् प्रेरयन् भविष्ये अपि एतादृशाः कार्यक्रमाः भवेयुः इति सः अवदत्। सांस्कृतिकभ्रमणे विभागाध्यक्षः तुलसीदास परौहा महोदयः, डॉ. उपेन्द्र भार्गवमहोदयः, डॉ. अखिलेश द्विवेदी महोदयः, डॉ. संकल्प मिश्र महोदयः, डॉ. शुभम् शर्मा महोदयः, अन्ये शिक्षकाः तथा च विश्वविद्यालयस्य छात्राः आसन् ।

REGISTRAR
MAHARSHI PANINI SANSKRIT EVAM VEDIC VISHWAVIDYALAYA
UJJAIN (M.P.)

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय

Maharshi Panini Sanskrit Evam Vedic Vishwavidyalaya

देवासमार्ग, उज्जैन, (मध्यप्रदेश). 456010

Website:- www.mpsvv.ac.in

तारामण्डलभ्रमण

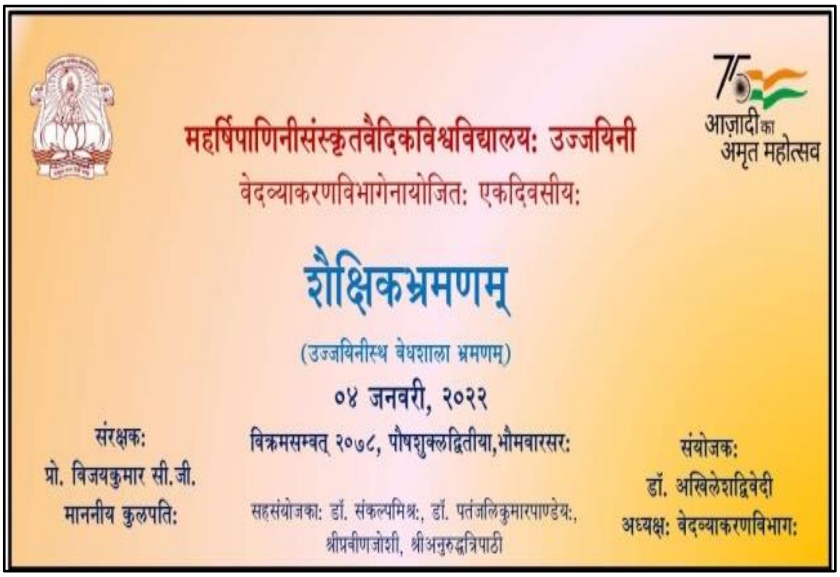

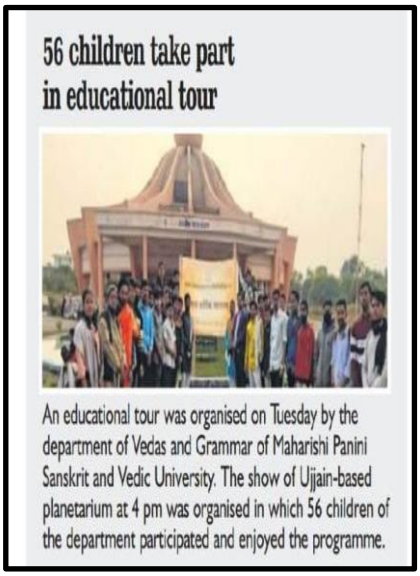

56 children take part in educational tour

An educational tour was organised on Tuesday by the department of Vedas and Grammar of Maharishi Panini Sanskrit and Vedic University. The show of Ujjain-based planetarium at 4 pm was organised in which 56 children of the department participated and enjoyed the programme.

तारामण्डलविषये डॉ अखिलेशकुमारद्विवेदी जी का सुझाव

REGISTRAR
MAHARSHI PANINI SANSKRIT EVAM VEDIC VISHWAVIDYALAYA
UJJAIN (M.P.)

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय

Maharshi Panini Sanskrit Evam Vedic Vishwavidyalaya

देवासमार्ग, उज्जैन, (मध्यप्रदेश). 456010

Website:- www.mpsvv.ac.in

प्रतिवेदन

महर्षिपाणिनिसंस्कृतवैदिकविश्वविद्यालयस्य वेदव्याकरणविभागेन 2022 जनवरी 4 दिनाङ्के मंगलवासरे शैक्षिकभ्रमणस्य आयोजनं कृतम् । अस्मिन् छात्राणां कृते सायं 4 वादने ग्रहालयस्य प्रदर्शनं दर्शितम्, यस्मिन् विभागस्य 56 बालकाः भागं गृहीतवन्तः । विभागाध्यक्षः डॉ. अखिलेशकुमारद्विवेदी इत्यनेन उक्तं यत् बालाः शोधदृष्ट्या स्वग्रन्थान् पठित्वा किञ्चित् नूतनं आविष्कारं कुर्वन्तु । शिक्षाविभागप्रमुखः डॉ. संकल्पमिश्रः स्वछात्राणां कृते तान् अवगन्तुं तान्त्रिकपदान् अन्वेष्टुं प्रेरितवान्। डॉ. पतंजलिकुमारपाण्डेयः छात्रान् प्रोत्साहितं कृतवान्। प्रवीण जोशी तथा च अनिरुद्धत्रिपाठीमहोदयेन संयोजनं कृतः ।

REGISTRAR
MAHARSHI PANINI SANSKRIT EVAM VEDIC VISHWAVIDYALAYA
UJJAIN (M.P.)

जीवाजीवेधशाला

REGISTRAR
MAHARSHI PANINI SANSKRIT EVAM VEDIC VISHWAVIDYALAYA
UJJAIN (M.P.)

प्रतिवेदन

स्थानिक स्थलानां शिक्षाविना शिक्षा पूर्णा न भवति इति मनसि निधाय अद्य 16/03/2022दिनाङ्कतमे महर्षि पाणिनिसंस्कृतवैदिकविश्वविद्यालयदलेन शैक्षणिकभ्रमणस्य आयोजनं कृतम्। तत्र भ्रमणावसरे महर्षिपाणिनिसंस्कृतवैदिकविश्वविद्यालयस्य माननीय कुलपतिः श्री विजयकुमार सी. जी. महोदयस्य सान्निध्यं समे छात्राः प्राप्तवन्तः। माननीय कुलपतिः विश्वविद्यालयस्य शिक्षकैः छात्रैः सह उज्जयिनी स्थित जीवाजी वेधशालायाः भ्रमणं कृतवान्। भ्रमणकाले माननीय कुलपतिः छात्रान् सम्बोधयन् उक्तवान् यत् वयं केवलपुस्तकीयज्ञानी न भवेम, अपितु वास्तविक ज्ञानं एवं प्रायोगिक ज्ञानं च अस्मान् भवेयुः। तद्ज्ञानं लोके शैक्षणिकस्थानानां भ्रमणेन अध्ययनेन च सम्भवति। सः उक्तवान् यत् एतादृशाः स्थानानि अस्माकं संस्कृति सूचकाः अपि सन्ति। अतएव तेषां संरक्षणस्य दायित्वं अस्माकमेव। एवञ्च तत् ज्ञानं अग्रे अपि प्रसारयितुं वयं भवामः इति चिन्तनं भवेत्। छात्रान् प्रेरयन् तेनोक्तं यत् भविष्ये अपि एतादृशाः कार्यक्रमाः भवेयुः इति। शैक्षणिक भ्रमणे विभागाध्यक्षः डॉ. शुभम्शर्म महोदयः, डॉ. विजय कुमार, विद्या वारिधि छात्राः एवञ्च अन्ये शिक्षकाः छात्राः आसन्।

REGISTRAR
MAHARSHI PANINI SANSKRIT EVAM VEDIC VISHWAVIDYALAYA
UJJAIN (M.P.)

त्रिवेणीसंग्रहालय

विभागाध्यक्ष के साथ छात्रवृन्द

REGISTRAR
MAHARSHI PANINI SANSKRIT EVAM VEDIC VISHWAVIDYALAYA
UJJAIN (M.P.)

प्रतिवेदन

महर्षिपाणिनिसंस्कृतवैदिकविश्वविद्यालयस्य माननीय कुलपतिः आचार्य विजय कुमार सी जी वर्यस्य सान्निध्ये विद्यावारिधि सत्र 2022-23, 2023-24 तमवर्षस्य छात्राः 04/06/2022 दिनाङ्के शैवः, शाक्तागमः, एवञ्च वैष्णव संप्रदायानां सङ्गमः त्रिवेणी संग्रहालयस्य शैक्षणिक भ्रमणं कृतम्। अवसरेस्मिन् सङ्ग्रहालयस्य निदेशिका डॉ. भावना व्यास महोदया वैदुष्यपूर्णमार्गदर्शनं दत्तवती।

REGISTRAR
MAHARSHI PANINI SANSKRIT EVAM VEDIC VISHWAVIDYALAYA
UJJAIN (M.P.)

सान्दीपनिआश्रम

माननीय कुलपति महोदय के साथ शोधच्छात्रवृन्द

चौषट् कला विषयक परिचर्चा

REGISTRAR
MAHARSHI PANINI SANSKRIT EVAM VEDIC VISHWAVIDYALAYA
UJJAIN (M.P.)

प्रतिवेदन

महर्षिपाणिनिसंस्कृतवैदिकविश्वविद्यालयस्य आदरणीय कुलपति: आचार्य: विजयकुमार सी.जी.महोदयस्य उपस्थितौ पीएचडी सत्र 2022-23 तमस्य वर्षस्य शोधछात्राः सान्दिपनि आश्रमे स्थितानां चतुर्दशविद्यायाः 64 कलानां च दीर्घाम् अवलोकितवन्तः। अस्मिन् अवसरे त्रिवेणी संग्रहालयस्य विदुषी डॉ. भावना व्यास महोदया सर्वेषां शोधकर्तृणां मार्गदर्शनं कृतवती।

REGISTRAR
MAHARSHI PANINI SANSKRIT EVAM VEDIC VISHWAVIDYALAYA
UJJAIN (M.P.)

जीवाजीवेधशाला

जीवाजीवेधशाला में विभागाध्यक्ष डॉ. उपेन्द्र भार्गव जी के साथ शोधछात्रगण

शङ्कु के निरीक्षण

REGISTRAR
MAHARSHI PANINI SANSKRIT EVAM VEDIC VISHWAVIDYALAYA
UJJAIN (M.P.)

भ-चक्र विषयक ज्ञान

भित्तियन्त्र विषयक ज्ञान

REGISTRAR
MAHARSHI PANINI SANSKRIT EVAM VEDIC VISHWAVIDYALAYA
UJJAIN (M.P.)

प्रतिवेदन

महर्षिपाणिनिसंस्कृतवैदिकविश्वविद्यालयस्य माननीयकुलपतिः आचार्यःविजयकुमार सी.जी. महोदयस्य प्रेरणया विद्यावारिधिः (पीएचडी) छात्राः उज्जैननगरे स्थितस्य जीवाजी वेधशालायाः शैक्षिकभ्रमणं कृत्वा ज्योतिषशास्त्रेण खगोलशास्त्रेण च सम्बद्धानि अनेकानि कौतुकानि जानितवन्तः। अस्मिन् अवसरे वेधशालायाः निदेशकः डॉ. राजेन्द्र गुप्त महोदयः एवं भरत तिवारी महोदयः समुचित मार्गदर्शनं कारितः।

REGISTRAR
MAHARSHI PANINI SANSKRIT EVAM VEDIC VISHWAVIDYALAYA
UJJAIN (M.P.)

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय

Maharshi Panini Sanskrit Evam Vedic Vishwavidyalaya

देवासमार्ग, उज्जैन, (मध्यप्रदेश). 456010

Website:- www.mpsvv.ac.in

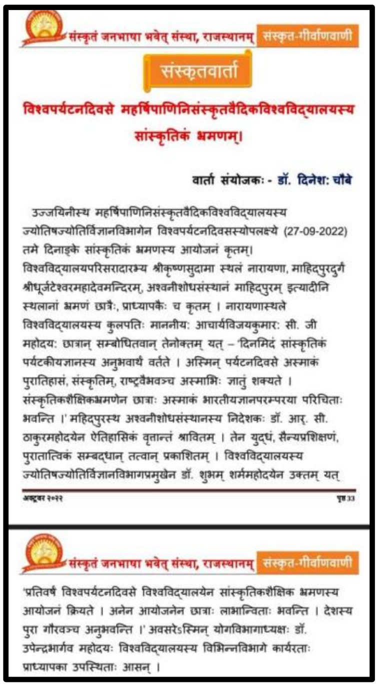

संस्कृतं जनभाषा भवेत् संस्था, राजस्थानम् संस्कृत-गीर्वाणवाणी

संस्कृतवार्ता

विश्वपर्यटनदिवसे महर्षिपाणिनिसंस्कृतवैदिकविश्वविद्यालयस्य सांस्कृतिकं भ्रमणम्।

वार्ता संयोजकः - डॉ. दिनेश: चौबे

उज्जयिनीस्थ महर्षिपाणिनिसंस्कृतवैदिकविश्वविद्यालयस्य ज्योतिषज्योतिर्विज्ञानविभागेन विश्वपर्यटनदिवसस्योपलक्ष्ये (27-09-2022) तमे दिनाङ्के सांस्कृतिकं भ्रमणस्य आयोजनं कृतम्। विश्वविद्यालयपरिसरादारभ्य श्रीकृष्णसुदामा स्थलं नारायणा, माहिद्पुरदुर्गं श्रीधूर्जटेश्वरमहादेवमन्दिरम्, अश्वनीशोधसंस्थानं माहिद्पुरम् इत्यादीनि स्थलानां भ्रमणं छात्रैः, प्राध्यापकैः च कृतम् । नारायणास्थले विश्वविद्यालयस्य कुलपतिः माननीयः आचार्यविजयकुमारः सी. जी महोदयः छात्रान् सम्बोधितवान् तेनोक्तम् यत् – 'दिनमिदं सांस्कृतिकं पर्यटकीयज्ञानस्य अनुभवार्थं वर्तते । अस्मिन् पर्यटनदिवसे अस्माकं पुरातिहासं, संस्कृतिम्, राष्ट्रवैभवञ्च अस्माभिः ज्ञातुं शक्यते । संस्कृतिकशैक्षिकभ्रमणेन छात्राः अस्माकं भारतीयज्ञानपरम्परया परिचिताः भवन्ति ।' महिद्पुरस्थ अश्वनीशोधसंस्थानस्य निदेशकः डॉ. आर्. सी. ठाकुरमहोदयेन ऐतिहासिकं वृतान्तं श्रावितम् । तेन युद्धं, सैन्यप्रशिक्षणं, पुरातात्विकं सम्बद्धान् तत्वान् प्रकाशितम् । विश्वविद्यालयस्य ज्योतिषज्योतिर्विज्ञानविभागप्रमुखेन डॉ. शुभम् शर्ममहोदयेन उक्तम् यत्

अक्टूबर २०२२ पृष्ठ 33

संस्कृतं जनभाषा भवेत् संस्था, राजस्थानम् संस्कृत-गीर्वाणवाणी

'प्रतिवर्षं विश्वपर्यटनदिवसे विश्वविद्यालयेन सांस्कृतिकशैक्षिक भ्रमणस्य आयोजनं क्रियते । अनेन आयोजनेन छात्राः लाभान्विताः भवन्ति । देशस्य पुरा गौरवञ्च अनुभवन्ति ।' अवसरेऽस्मिन् योगविभागाध्यक्षः डॉ. उपेन्द्रभार्गव महोदयः विश्वविद्यालयस्य विभिन्नविभागे कार्यरताः प्राध्यापका उपस्थिताः आसन् ।

News Cutting

सत्येन रक्ष्यते धर्मो विद्याऽभ्यासेन रक्ष्यते। मृज्यया रक्ष्यते रुपं कुलं वृत्तेन रक्ष्यते॥

भावार्थ : धर्म का रक्षण सत्य से, विद्या का अभ्यास से, रूप का सफाई से, और कुल का रक्षण आचरण करने से होता है ।

विश्वपर्यटन दिवसे महर्षिपाणिनि संस्कृत वैदिक विश्वविद्यालयस्य सांस्कृतिकं भ्रमणम्

वार्ता संयोजकः डॉ. दिनेश : चौबे

ब्रह्मास्त्र » उज्जैन

पुस्तकीय ज्ञान को व्यवहार में लाता है पर्यटन-कुलपति

दिनांक 27-09-2022 को महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय उज्जैन के ज्योतिष एवं ज्योतिर्विज्ञान विभाग द्वारा *विश्वपर्यटन दिवस* पर सांस्कृतिक भ्रमण का आयोजन किया गया। भ्रमण विश्वविद्यालय परिसर से श्रीकृष्ण एवं सुदामा स्थली *नारायणा*, *महिदपुर किला*, *धूर्जटेश्वर मन्दिर, अश्विनी शोध संस्थान महिदपुर* रहा। नारायणा स्थल पर माननीय कुलपति महोदय प्रो.विजयकुमार सी.जी.महोदय ने कहा कि यह दिवस पुस्तकीय ज्ञान को बाहर जाकर अनुभव करने का दिवस है। पुस्तकों में निहित ज्ञान को व्यवहारिक रुप से जानना ही पर्यटन दिवस का मूल उद्देश्य है। शैक्षिक गतिविधियों में भ्रमण द्वारा सीखना छात्रों के मानसिक पटल पर सदैव चिन्हित रहता है इसीलिए यह पाठ्यक्रम का भी अभिन्न अंग है। आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत आज हम स्वतन्त्रता संग्राम से जुड़े स्थलों का भी दर्शन कर गौरव की अनुभूति कर रहे हैं। अश्विनी शोध संस्थान के निदेशक डॉ.आर.सी.ठाकुर ने इतिहास के पन्नों को उजागर करते हुए कहा कि महिदपुर अंग्रेजी शासन काल में प्रमुख केंद्र रहा है। जिसमें युद्ध, सैनिक प्रशिक्षण केन्द्र एवं ऐतिहासिक सन्दर्भ प्राप्त होते हैं। उन्होंने संग्रहालय में स्थित कई महत्वपूर्ण पुरातात्विक विषयों से अवगत करवाया। मुख्य रुप से उन्होंने पारम्परिक रुप से प्राप्त सिक्कों के विषय मे अवगत करवाया जो विक्रमादित्य शासन काल से भी प्रचलित हैं। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के छात्रों ने विशेष रुचि दिखाते हुए इसे एक ज्ञानवर्धक भ्रमण बताया। साथ ही विभागाध्यक्ष डॉ शुभम् शर्मा, एन.एस.एस. डॉ उपेन्द्र भार्गव समेत अन्य आचार्यगण सम्मिलित रहे।

REGISTRAR
MAHARSHI PANINI SANSKRIT EVAM VEDIC VISHWAVIDYALAYA
UJJAIN (M.P.)

6) संस्कृत प्रतिस्पर्धा

अखिलभारतीय संस्कृतच्छात्रप्रातिभ-समारोहे पाणिनिसंस्कृत-विश्व-विद्यालयस्य छात्राः पुरुस्कृताः

(वृत्तप्रेषकः डॉ.दिनेशः चौबे)

तिरूपतिस्थराष्ट्रियसंस्कृत विश्वविद्यालये आयोजिते अखिलभारतस्तरीय संस्कृतच्छात्र-प्रतिभासमारोहे उज्जयिनीस्थ-महर्षिपाणिनि संस्कृतवैदिक-विश्व-विद्यालयस्य न्यायदर्शनविभागस्य छात्रेणश्री उद्धवपौराणिकेन न्यायभाषण प्रतियोगितायां द्वितीयस्थानं रजतपदकं च् प्राप्तम्। अस्यां प्रतियोगितायां वेदान्तभाषणे सुश्री नीताशर्मा तृतीयं स्थानं कास्यपदकं च अर्जितवती।एवञ्च रसप्रश्न स्पर्धायां सुश्रीनिधीशर्मा, सुश्रीनीताशर्मा च तृतीयं स्थानं प्राप्तवत्यौ आभारतात् नाना संस्थाभ्यः समागताः छात्राः अत्र भागं गृहीतवन्तः।

अस्मिन् अवसरे विश्वविद्यालयस्य मान्यनीयकुलपतिः आचार्य-विजयकुमार-सीजीवर्यः उक्तवान् यत् अस्माकं विश्वविद्यालयस्य छात्राः देशे सर्वत्र नाना संस्थासु गत्वा पुरस्काराः अर्जयन्ति विश्वविद्यालयस्य गौरवं च वर्धितवन्तः। अस्माकं छात्राःसर्वत्र सर्वविधासु प्रतियोगितासु स्वप्रातिभं प्रदर्शितवन्तः। कुलपतिवर्येण मुदितमनसा छात्राणाम् आचार्याणाञ्च अभिनंदनं कृतम्।

अवसरेऽस्मिन् तिरुपति- राष्ट्रियसंस्कृतविश्वविद्यालयस्य प्रातिभसमारोह-समापन-महोत्सवे अनुग्रहभाषणार्थं पूज्य-जगद्गुरवः श्रीश्रीशङ्कर-विजयेन्द्र-सरस्वती शङ्कराचार्य-स्वामिनःउपस्थिताः आसन्। येषां कर-कमलाभ्यां छात्राः पुरुस्कृताः। अस्मिन् अवसरे संस्कृत-विश्वविद्यालयस्य, कुलपतिः विद्वांसः आचार्याः, छात्राः, अन्यजनाश्च उपस्थिताः आसन्। छात्रदलस्य नेतृत्वं साहित्यविभागस्य आचार्येण श्रीआयुपदीक्षितेन कृतम्।

न्यायप्रतिस्पर्धा में रजतपदक से सम्मानित उद्धव पौराणिक

REGISTRAR
MAHARSHI PANINI SANSKRIT EVAM VEDIC VISHWAVIDYALAYA
UJJAIN (M.P.)

प्रतिवेदन

तिरुपतिस्थे राष्ट्रियसंस्कृतविश्वविद्यालये समायोजिते अखिल- भारतीय-संस्कृतच्छात्र-प्रातिभ-समारोहे उज्जयिनीस्थस्य पाणिनि- संस्कृत-विश्वविद्यालयस्य छात्राः पुरस्कृताः ! तस्मिन् न्यायदर्शन-विभागस्य छात्रेण श्री. उद्धवपौराणिकेन न्याय-भाषण-प्रतियोगितायां द्वितीयस्थानं रजतपदकेन सह प्राप्तम्। तथैव वेदान्त-भाषणे सुश्री नीताशर्मा तृतीयं स्थानं कांस्यपदकेन सह अर्जितवती। एवञ्च रसप्रश्नस्पर्धायां सुश्री निधि-शर्मा, सुश्री नीता- शर्मा च तृतीयं स्थानं प्राप्तवत्यौ। अवसरेऽस्मिन् मान्य-कुलपतिना विजयकुमारवर्येण मुदितमनसा छात्राणाम् आचार्याणाञ्च अभिनन्दनं कृतम्। समारोहस्यास्य समापनावसरे अनुग्रहभाषणार्थं समुपस्थिताः पूज्यजगद्गुरवः श्रीश्रीशङ्करविजयेन्द्रसरस्वती-शङ्कराचार्य-स्वामिनः छात्रेभ्यः पुरस्कृतवन्तः । छात्रदलस्य नेतृत्वं साहित्य- विभागस्य आचार्येण श्रीआयुष-दीक्षितेन विहितम्।

REGISTRAR
MAHARSHI PANINI SANSKRIT EVAM VEDIC VISHWAVIDYALAYA
UJJAIN (M.P.)

पाणिनिसंस्कृत-विश्वविद्यालये युवमहोत्सवस्य शुभारंभः

(वार्ताहरः- डॉ.दिनेशः चौबे)

उज्जयिनीस्थेमहर्षिपाणिनि संस्कृतवैदिकविश्वविद्यालये वैक्रमाब्दः 2079 फाल्गुनशुक्ल दशमी तदनु मार्चमासस्य प्रथमतमे दिनाङ्के बुधवासरे षष्ठयुवमहोत्सवस्य भव्यः शुभारंभः सञ्जातः। प्रदेशस्य उच्चशिक्षामन्त्रिः डॉ. मोहनयादवमहोदयःसर्वान् छात्रान् युवमहोत्सवस्य शुभकामनाः प्रदत्तवान ।विशिष्टातिथिरूपेण उज्जैनसम्भागस्य सहायक पुलिसमहानिरीक्षिका

पार्वतीकनेशमहोदया स्व उद्बोधने उक्तवती यत् देशस्य सर्वविधं सार्वभौमं विकासः संस्कृतेन भवितुं शक्यते। प्रशासनिक सेवायां संस्कृतच्छात्राः प्रयत्नाः कुर्युः। संस्कृत छात्राणां सर्वत्र उपस्थितिः भाव्या ।

कार्यक्रमस्य अध्यक्षः महर्षिपाणिनिसंस्कृतवैदिक-विश्वविद्यालयस्य मान्यः कुलपतिः आचार्यः विजयकुमारः सी. जी मेननवर्यः, उक्तवान् संस्कृत छात्रेषु सर्वविधं सामर्थ्यं अस्ति छात्राः स्व प्रतिभाकौशलं अत्र वर्धयेयुः महोत्सवे भागं वहन्तान छात्रान शुभकामनाः च् अयच्छत्। कार्यक्रमस्य संयोजकेन् डॉ.तुलसीदासपारौहा महोदयेन अतिथीनां वाचिकं स्वागतं कृतम् प्रास्ताविकं डॉ. शुभम् शर्म महोदयेन प्रस्तुतम् । युव महोत्सवस्य शुभारम्भः शोभायात्रया जातः, तदनु योगेश्वरश्रीकृष्णयोगभवने कार्यक्रमस्य औपचारिकम् उद्घाटनं दीपप्रज्ज्वलनेन, वाग्देव्याः चित्रपटे मालार्पणेन च आरब्धम्। तदनु वैदिकमङ्गलाचरणम्, कुलगानं च् जातम्। कार्यक्रमेऽस्मिन् विश्वविद्यालयस्य कार्यपरिषदसदस्याः श्रीराजेन्द्र झालानी, श्रीमतीकिरणशर्मा, डॉ. विद्याजोशी श्रीसुशीलबाडिया महोदयाःस्वविचारान् उपस्थापितवन्तः । कार्यक्रमे डॉ. अखिलेशकुमारद्विवेदीमहोदयः, डॉ. सङ्कल्पमिश्रमहोदयः डॉ. उपेन्द्रभार्गवमहोदयः सम्बद्धमहाविद्यालयस्य विश्वविद्यालयस्य आचार्याः, समागताः शोधच्छात्राः, छात्राः सामाजिकाश्च उपस्थिताः आसन् सञ्चालनं श्रीआयुषदीक्षितेन आभारप्रदर्शनं विश्वविद्यालयस्य कुलसचिवेन डॉ.दिलीपसोनीमहोदयेन कृतम्।

6 मार्च 12 मार्च 2023 देश प्रदेशः

पाणिनिसंस्कृत-विश्वविद्यालये युवमहोत्सवस्य समारोपः

षष्ठयुवमहोत्सवः संपन्नतां मगात् महोत्सवस्य द्वितीयदिने क्रीडास्पर्धासु छात्राः स्वप्रतिभां प्रादर्शयत्।

अक्षरवाणी, उज्जैन : उज्जयिनीस्थेमहर्षिपाणिनि संस्कृतवैदिकविश्वविद्यालये वैक्रमाब्दः 2079 फल्गुनशुक्ल एकादशी तदनु मार्चमासस्य द्वितीयतमे दिनाङ्के गुरुवासरे षष्ठयुवमहोत्सवः संपन्नतां मगात् महोत्सवस्य द्वितीयदिने क्रीडास्पर्धासु छात्राः स्वप्रतिभां प्रादर्शयत्। तदनु सायंकाले समापनसत्रे पुरस्कारप्रदानकार्यक्रमः सञ्जातः ।विश्वविद्यालयस्य निर्देशने निर्मितं चलचित्रं नायकाः इत्यस्यापि प्रदर्शनं जातम्।समापनसमारोहे मुख्यातिथिरूपेण उज्जयिनी नगरनिगमस्य सभापतिः कलावतीयादवमहोदया सर्वान् छात्रान् युवमहोत्सवस्य शुभकामनाः पुरस्काराः च् प्रदत्तवती ।विशिष्टातिथिरूपेण उज्जैनमण्डलस्य नेहरूयुवकेंद्रस्य मण्डलाधिकारिः श्रीमानअभिलाषमस्केमहोदयः उपस्थितः आसीत्। कार्यक्रमे अध्यक्षरूपेण विश्वविद्यालयस्य मान्यः कुलपतिः आचार्यविजयकुमारः सीजीमेननवर्यः सफलायोजनस्य सर्वान् शुभकामनाः प्रदत्तवान। कार्यक्रमस्य संयोजकेन् डॉ.तुलसीदासपारौहा महोदयेन अतिथीनां वाचिकं स्वागतं सत्रसञ्चालनञ्च कृतम् ।प्रतिवेदनम् डॉ. शुभम् शर्म महोदयेन प्रस्तुतम् । कार्यक्रमस्य उद्घाटनं दीपप्रज्ज्वलनेन, वाग्देव्याः चित्रपटे मालार्पणेन जातम्। तदनु वैदिकमङ्गलाचरणम्, कुलगानं अभवत्। कार्यक्रमेऽस्मिन् विश्वविद्यालयस्य डॉ. अखिलेशकुमारद्विवेदीमहोदयः, डॉ. सङ्कल्पमिश्रमहोदयः डॉ. उपेन्द्रभार्गवमहोदयः सम्बद्धमहाविद्यालयस्य विश्वविद्यालयस्य आचार्याः, समागताः शोधच्छात्राः, छात्राः सामाजिकाश्च उपस्थिताः आसन् आभारप्रदर्शनं विश्वविद्यालयस्य कुलसचिवेन डॉ.दिलीपसोनीमहोदयेन कृतम्। विवरणं युवमहोत्सवस्यप्रथमदिवसे बौद्धिक - सांस्कृतिकस्पर्धानां आयोजनम् अभूत। तत्र शास्त्रार्थस्पर्धा काव्यपाठः श्लोकान्त्याक्षरि वादविवादः आशुभाषणं, एकलसंस्कृतगीतं, समूहसंस्कृतगीतं, एकलनृत्यं, समूहनृत्यं, योगासनं, रङ्गोली, शोधनिबंधलेखनादि प्रतियोगिताः अभूवन्। क्रीडाप्रतियोगितासु तत्र धावनम् , लम्बकूर्दनम्, उच्चकूर्दनम्, भल्लक्षेपणम्, चक्रक्षेपणम् , कबड्डी गोलक्षेपणादि प्रतियोगिताः आयोजिताः आसन् ।

वार्ताहरः- डॉ.दिनेशः चौबे

REGISTRAR
MAHARSHI PANINI SANSKRIT EVAM VEDIC VISHWAVIDYALAYA
UJJAIN (M.P.)

प्रतिवेदन

विश्वस्य सर्वाधिकसंस्कृतच्छात्रोपेतस्य संस्कृतविश्वविद्यालयस्यास्य बृहत्तमः उत्सवः नाम अन्तःपरिसरीयः युवमहोत्सवः एव। उपपञ्चाशत्सङ्ख्याकाः प्रतियोगिताः अत्र आयोज्यन्ते। येन छात्राः संस्कृतभाषां वक्तुं स्वविश्वासं वर्धयितुं शक्नुवन्ति तथा च तस्मिन् रुचिं विकसितुं नूतनानि शास्त्राणि पठितुं च शक्नुवन्ति। तासु प्रतियोगितासु शलाकापरीक्षा, संस्कृतभाष्यप्रतियोगिता, कविसमूहः, सृजनात्मककाव्यलेखनम्, वादविवादः, श्लोकपाठः, सुभाषितकण्ठपाठः इत्यादयः उल्लिखिताः। प्रत्येकस्मिन् वर्षे अस्मिन् महोत्सवे विश्वविद्यालयस्य चिताः एव प्रतिभाशालिनः भागं गृहीत्वा स्वीयाम् अनितरसाधारणीं प्रतिभां प्रदर्शयन्ति। विश्वविद्यालयस्य प्रतिभाभाण्डागारस्य अनावरणम् अस्मिन् महोत्सवसन्दर्भे सम्भवति। अत्र चिताः प्रथमस्थानापन्नाः च विभिन्नच्छात्राः सामान्यविश्वविद्यालयस्तरीययुवमहोत्सवार्थमपि चिताः भवन्ति। युवामहोत्सवस्य अन्तर्गतं युवानां अन्तः उत्साहं जागरितुं सफलाः कार्यक्रमाः आयोजिताः भवन्ति। यथा छात्राः स्वस्वास्थ्यस्य विषये अपि सचेतनाः भवन्ति। युवामहोत्सवे शारीरिकप्रतियोगितानां आयोजनमपि भवति। दीर्घधावः, उच्चकूदः, दीर्घकूदः, शॉट् पुटः, डिस्कसक्षेपः, चतुरङ्गम्, वॉलीबॉल, बैडमिण्टन, भल्लाप्रक्षेपः, कबड्डी इत्यादयः विविधाः प्रतियोगिताः समुचितरूपेण आयोजिताः भवन्ति। यस्य कारणेन शरीरे ऊर्जा, कार्यक्षमता, श्वसनक्षमता, शारीरिक-मानसिक-विकासः च भवति। अन्तस्संस्कृतविश्वविद्यालययुवसमारोहः संस्कृतविश्वविद्यालयान्तरेषु यत्र चलन्ति तत्र अस्माकं छात्राः भागं गृहीत्वा पुरस्कारं प्राप्नुवन्ति।

REGISTRAR
MAHARSHI PANINI SANSKRIT EVAM VEDIC VISHWAVIDYALAYA
UJJAIN (M.P.)

7) वाग्वर्धिनीपरिषत्

वाग्वर्द्धिनी सभा में उभरकर आ रही विद्यार्थियों की प्रतिभा

विद्यार्थियों के बौद्धिक, साहित्यिक एवं सांस्कृतिक विकास को दृष्टिगत रखते हुए मास में दो बार वाग्वर्द्धिनी सभा का आयोजन किया जाता है। इस सभा के सञ्चालन में विद्यार्थियों की प्रत्यक्ष भूमिका होती है। इसमें कभी गीत, भाषण आदि प्रतियोगिताएँ आयोजित होती हैं, तो कभी संस्कृतगद्यपाठ, साभिनय संवाद प्रस्तुति आदि विधाएँ भी। सम्प्रति सम्पन्न, वाग्वर्द्धिनी सभा में हस्तशिल्पाकृतिनिर्माण प्रतियोगिता रही। इसमें विद्यार्थियों ने न केवल यज्ञशाला, मृण्मयमूर्ति, पल्लवगणेश, ज्योतिषीय वेधयन्त्र, वास्तुशास्त्रोक्त भवन प्रतिदर्श, द्रविड देवालय प्रतिदर्श आदि का निर्माण कर अपने हस्तकौशल का प्रकाशन किया अपितु उनसे सम्बद्ध संस्कृत ग्रन्थोक्त प्रमाण भी प्रस्तुत किये। जय शर्मा ने वैद्युत जलसंरक्षणयुक्ति का निर्माण किया। दर्शना शर्मा ने भवन, राधिका शर्मा ने गणेश, भावेश रावल ने यज्ञशाला, अनुज शर्मा ने पार्थिव शिव, रोहित दीक्षित ने नन्दी, हर्षवर्द्धन शर्मा ने तुरीय यन्त्र का निर्माण किया। उपकुलपति प्रो. मनमोहन उपाध्याय, विभागाध्यक्ष डॉ. तुलसीदास परौहा समेत प्राध्यापकों ने छात्रों की कृतियों का अवलोकन कर उनका अभिनन्दन किया।

REGISTRAR
MAHARSHI PANINI SANSKRIT EVAM VEDIC VISHWAVIDYALAYA
UJJAIN (M.P.)

8) दत्तकगावँ में संस्कृतशिविर

REGISTRAR
MAHARSHI PANINI SANSKRIT EVAM VEDIC VISHWAVIDYALAYA
UJJAIN (M.P.)

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय

Maharshi Panini Sanskrit Evam Vedic Vishwavidyalaya

देवासमार्ग, उज्जैन, (मध्यप्रदेश). 456010

Website:- www.mpsvv.ac.in

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन

देवास मार्ग,
उज्जैन (मध्यप्रदेश) पिन - 456010
दूरभाष- (0734) 2922037
E-mail- regpsvvmp@rediffmail.com
Website – www.mpsvvujjain.org,

क्र./पासंवि/ कुस/2018/ 218 दिनांक : 02/09/2018

सूचना

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय द्वारा दिनांक 05 सितम्बर से लेकर 31 सितम्बर 2018 तक उत्कृष्ट विद्यालय में संस्कृत संभाषण शिविर का आयोजन किया जा रहा है| जिसमे समस्त शैक्षणिक एवं अशैक्षणिक स्टाफ एवं छात्र- छात्राएं उपस्थित रहेगे

माननीय कुलपतिजी द्वारा अनुमोदित

MKTiwari
कुलसचिव

क्र./पासंवि/कुस/2018/ 218 दिनांक–02/09/2018

प्रतिलिपि :

1. मान. कुलपतिजी/उपकुलपतिजी के निज सहायक, महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन।
2. कुलसचिवजी के निज सहायक, महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन।
3. वित्त नियंत्रक, महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन।
4. उपर्युक्त समस्त सदस्यों की ओर सूचनार्थ एवं पालनार्थ, महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्विविद्यालय उज्जैन।
5. विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी प्रशासन/परीक्षा/वित्त/स्थापना, महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्विविद्यालय उज्जैन।

MKTiwari
कुलसचिव

REGISTRAR
MAHARSHI PANINI SANSKRIT EVAM VEDIC VISHWAVIDYALAYA
UJJAIN (M.P.)

9) विशिष्टव्याख्यान

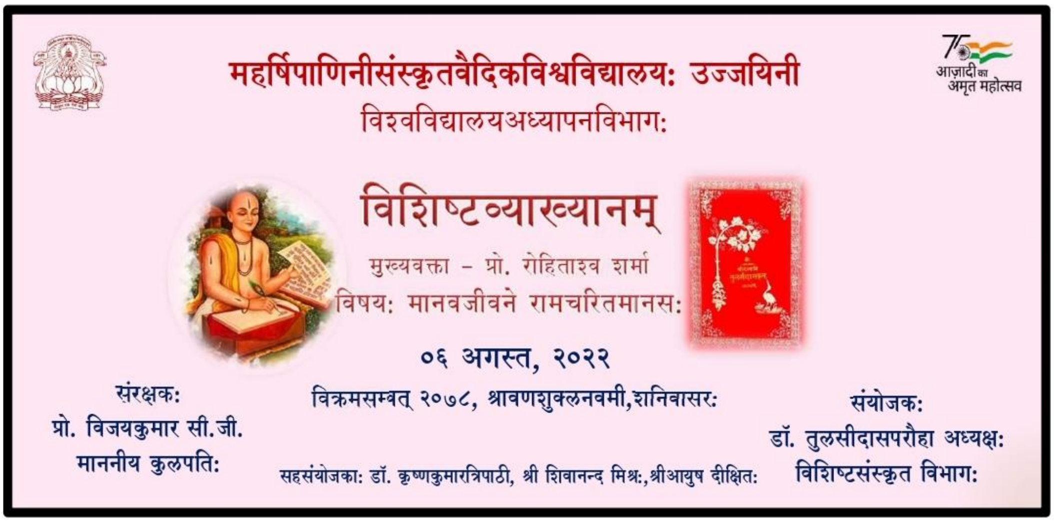

जीने की राह दिखाता रामचरितमानस –रोहिताश्व

भास्कर संवाददाता | उज्जैन

महर्षि पाणिनि संस्कृत विश्वविद्यालय में शनिवार को तुलसीदास जयंती के उपलक्ष्य में व्याख्यान का आयोजन किया गया। अध्यक्षता विभाग समन्वयक डॉ. तुलसीदास परोहा ने की। उन्होंने बताया कि राम राष्ट्र के सबकुछ हैं। राम राष्ट्र का मंगल हैं, राम राष्ट्र के पिता एवं देवता हैं। उन्होंने कहा तुलसीदासजी की दृष्टि में राम सदैव देवता स्वरूप रहे हैं। मुख्य वक्ता के रूप में शासकीय माधव विज्ञान महाविद्यालय के हिंदी विभाग के आचार्य प्रो. रोहिताश्व शर्मा ने कहा तुलसीदास कृत रामचरितमानस मानव संस्कृति का आधार है। राम का चरित्र मानव को जीने की राह दिखाता है। जीवेत शरदः शतम की सार्थकता राम राज्य से ही संभव है। कार्यक्रम कुलसचिव डॉ. दिलीप सोनी के मार्गदर्शन में हुआ। इसमें ज्योतिष एवं ज्योतिर्विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. शुभम शर्मा, डॉ. संकल्प मिश्र सहित अन्य प्राध्यापकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

रामकथा व्यक्ति से व्यक्ति को जोड़ती है

वाल्मीकि रामायण में शिव विषय पर व्याख्यान हुआ

उज्जैन | महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय के संस्कृत साहित्य एवं विशिष्ट संस्कृत विभाग द्वारा वाल्मीकि जयंती एवं उज्जैन के महाकाल लोक लोकार्पण के उपलक्ष्य में शुक्रवार को वाल्मीकि रामायण में शिव विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. विजय कुमार सीजी ने कहा वाल्मीकि रामायण में शिव अद्वैत रूप में विद्यमान हैं। मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. मंजूषा ठेमदेव (सहायकाचार्य, केंद्रीय संस्कृत विवि त्रिपुरा) ने कहा रामायण पुण्य प्रदान करती है। रामकथा व्यक्ति से व्यक्ति को जोड़ती है। यह सामाजिक समरसता का सर्वोत्कृष्ट उदाहरण है। रामकथा बिना महाकालेश्वर के पूर्ण नहीं होती। प्रो. चन्ने ने कहा वाल्मीकि द्वारा लिखी गई रामायण युद्ध कांड पर्यंत ही है। संचालन डॉ. कृष्णकुमार त्रिपाठी ने किया। आभार डॉ. रामकुमारी ने माना।

REGISTRAR
MAHARSHI PANINI SANSKRIT EVAM VEDIC VISHWAVIDYALAYA
UJJAIN (M.P.)

प्रतिवेदन

महर्षिपाणिनिसंस्कृतविश्वविद्यालये शनिवासरे तुलसीदासजयन्त्याः अवसरे व्याख्यानस्य आयोजनं कृतम्। तस्य अध्यक्षता विभाग समन्वयक डॉ. तुलसीदासपरौहा महोदयेन कृतम्। सः अवदत् यत् रामः राष्ट्रस्य कृते सर्वं अस्ति। रामः राष्ट्रस्य पिता देवः च अस्ति। सः अवदत् यत् तुलसीदासजी इत्यस्य दृष्टौ रामः सर्वदा देवता एव अस्ति। शासकीय माधव विज्ञान महाविद्यालयस्य हिन्दी विभागस्य आचार्यः प्रो. रोहिताश्व शर्म महाभागः, मुख्यवक्तृ रूपेण आसीत्। तुलसीदासस्य लिखितं रामचरितमानसः मानवसंस्कृतेः आधारः इति रोहिताश्वशर्मा अवदत् । रामस्य चरित्रं मानवजीवनस्य मार्गं दर्शयति। जीवन शारदाः शतमस्य महत्त्वं रामराज्येन एव सम्भवति। कार्यक्रमः सचिवः डॉ. दिलीप सोनी इत्यस्य मार्गदर्शने अभवत्।तत्र ज्योतिष एवं ज्योतिष विभागाध्यक्ष: डॉ. शुभम् शर्मा, डॉ. संकल्प मिश्र: आदि प्राध्यापकाः एवं च छात्राः आसन्।

REGISTRAR
MAHARSHI PANINI SANSKRIT EVAM VEDIC VISHWAVIDYALAYA
UJJAIN (M.P.)

10) शोधपत्रिकाप्रकाशन

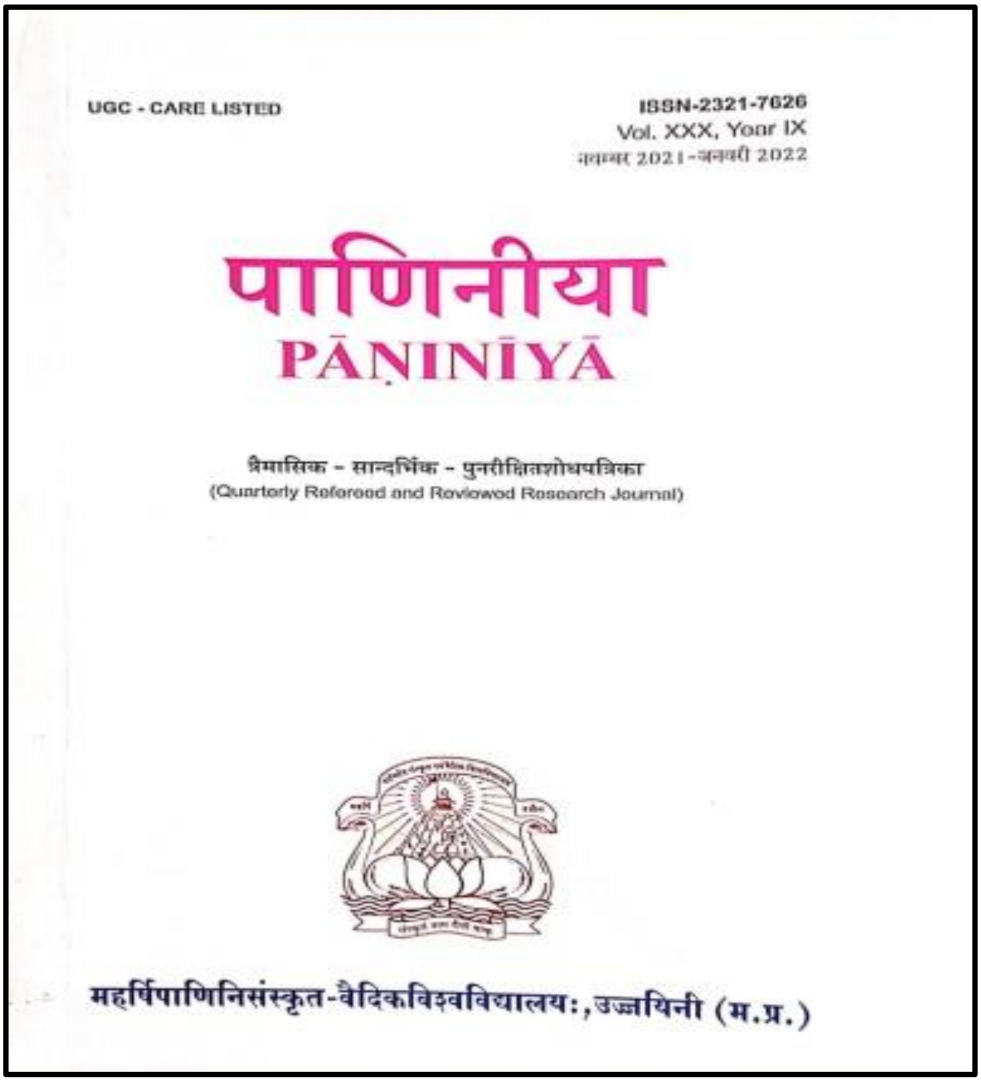

REGISTRAR
MAHARSHI PANINI SANSKRIT EVAM VEDIC VISHWAVIDYALAYA
UJJAIN (M.P.)

प्रतिवेदन

महर्षिपाणिनिसंस्कृत एवं वैदिकविश्वविद्यालयेन तथा च विश्वविद्यालयस्य शिक्षकैः समये-समये विविधानि पुस्तकानि प्रकाश्यन्ते। तथा च अनुसन्धानस्य अन्वेषणस्य च प्रवृत्तिं वर्धयितुं **“पाणिनीया” यूजीसी अनुदानित** इति त्रैमासिकपत्रिकामपि नियमितरूपेण प्रकाश्यते। बुद्धिकौशलवर्धनार्थं शोधप्रबंधादि प्रकाशनक्षमतावर्धनार्थं प्रतिवर्षे पुस्तकादि प्रकाशनस्य कृते विश्वविद्यालये **छात्राणां शिक्षणं प्रशिक्षणं** प्रदीयते। तेन माध्यमेन छात्रा शोधप्रबंधादि लेखने, प्रतिलिपिसम्पादने, सर्जनात्मकलेखने च समर्थाः भवन्ति। एतावता महर्षिपाणिनिसंस्कृतवैदिकविश्वविद्यालयस्य शिक्षकैः संस्कृतशिक्षण-प्रशिक्षणज्ञानविज्ञानसंवर्धनकेन्द्रेणापि प्रायः शतकासन पुस्तकानि प्रकाशितानि सम्पादितानि च। यथा- पौरोहित्यप्रवेशिका, कारकप्रदीपिका, पाताललोकस्य सीता, रघुवंशमहाकाव्यं, शिशुपालवधमहाकाव्यं, सुभाषितेषु प्रासंगिकमूल्यानि, जीर्णप्रतिमाशिवलिङ्गविधानम्, रसविचार आदि पुस्तकानि प्रकाशितानि सम्पादितानि च।

REGISTRAR
MAHARSHI PANINI SANSKRIT EVAM VEDIC VISHWAVIDYALAYA
UJJAIN (M.P.)